आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 27.01.2026 समय : 1905

- भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता किया। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष ने इस समझौते को मदर ऑफ ऑल डील्स बताया।
- भारत ऊर्जा के चौथे संस्करण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा हमने मेक इन इंडिया से इन्वेस्ट इन इंडिया तक लक्ष्य प्राप्त किया।
- हम्फ्रीगंज में बलिदान दिवस की वर्षगाठ पर शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि।
- चौरा द्वीप की एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना पर जन सुनावई चार फरवरी को आयोजित होगी।

<><><><><><><>

भारत और यूरोपीय संघ ने आज मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देकर द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ा। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लायन के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इस दौरान दोनों पक्षों ने व्यापार, सुरक्षा, रक्षा साझेदारी, लोगों की आवाजाही, आपदा जोखिम प्रबंधन तथा हरित हाइड्रोजन सहित कुल सात महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के संबंध पहले से अधिक मजबूत हुए हैं और अब एक नए मुकाम पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने कहा कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक तालमेल और मजबूत जन–से–जन संपर्क के आधार पर यह साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस मुक्त व्यापार समझौते से समाज के सभी वर्गों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्तमान में भारत और यूरोपीय संघ के बीच लगभग 180 अरब यूरो का व्यापार है। रणनीतिक प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल शासन और विकास साझेदारी जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए आयाम स्थापित हुए हैं।

<><><><><><><>

उन्होंने कहा कि यह केवल व्यापार समझौता नहीं, बल्कि साझा समृद्धि का एक नया प्रारूप है, जो निवेश को बढ़ावा देगा, नवाचार को प्रोत्साहित करेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लायन और प्रधानमंत्री मोदी ने इस समझौते को अब तक का सबसे बड़ा समझौता बताया। वहीं, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मिलकर भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से भारत ऊर्जा सप्ताह के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया। दक्षिण गोवा में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ऊर्जा सप्ताह अब ऊर्जा क्षेत्र में संवाद और ठोस कार्रवाई के लिए एक प्रभावशाली वैश्विक मंच के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को विश्व की सबसे तेजी से विकसित हो रही प्रमुख अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारत अवसरों का विशाल केंद्र है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों के शीर्ष पांच निर्यातक देशों में शामिल है, जो देश की बढ़ती ऊर्जा क्षमता को दर्शाता है। श्री मोदी ने कहा कि भारत अब केवल ऊर्जा सुरक्षा तक सीमित न रहकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता के मिशन पर आगे बढ़ रहा है।

<><><><><><><>

हम्फ्रीगंज स्थित राज्य शहीद स्मारक में 30 जनवरी को बयासीवां बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह आठ बजे स्मारक परिसर में स्थित बलिदान वेदी पर आयोजित होगा, जिसमें अमर शहीदों को नमन किया जाएगा। 30 जनवरी उन्नीस सौ चवालीस को जापानी शाही सेना ने जासूसी के झूठे आरोपों में गिरफ्तार किए गए चवालीस निर्दोष द्वीपवासियों की इसी स्थान पर निर्मम हत्या कर दी थी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में विभिन्न गणमान्य अतिथि, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा आम नागरिक शहीदों की स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

<><><><><><><>

चौरा द्वीप के एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना के प्रारूप की तैयारी के लिए प्रस्तावित सार्वजनिक जन सुनवाई अब 4 फरवरी को आयोजित की जाएगी। यह जन सुनवाई निकोबार जिले के ए पी डब्ल्यू डी गेस्ट हाउस, चौरा में संपन्न होगी। इस जन सुनवाई का उद्देश्य चौरा द्वीप के सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना के मसौदे पर आम जनता, हितधारकों और संबंधित संस्थाओं से सुझाव एवं आपत्तियाँ प्राप्त करना है।

<><><><><><><><>

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत किशोर अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 20 जनवरी से 24 जनवरी तक उद्योग निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. एच.एम. सिद्धाराजू तथा परिवार कल्याण उप निदेशक डॉ. शाइनी वर्गीज उपस्थित रही। अपने संबोधन में डॉ. सिद्धाराजू ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से अपने–अपने संस्थानों में नियमित रूप से किशोर अनुकूल स्वास्थ्य क्लिनिक संचालित करने तथा किशोरों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए निसंकोच स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से संपर्क करने हेतु प्रेरित करने पर बल दिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के दायरे को केवल यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य तक सीमित न रखते हुए पोषण, चोट एवं हिंसा, गैर–संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य तथा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी देना था। प्रशिक्षण में कई अन्य अधिकारियों ने भी अपना योगदान दिया। इस प्रशिक्षण में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से आए 30 सहायक नर्स मिडवाइफ एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

<><><><><><><><>

भारत सरकार के अधीन शत्रु संपत्ति संरक्षक द्वारा कल उत्तर प्रदेश, बिहार, त्रिपुरा तथा श्री विजयपुरम स्थित कुल बत्तीस शत्रु संपत्तियों की ई–नीलामी आयोजित की जाएगी। यह ई–नीलामी भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम एम एस टी सी के ई–नीलामी मंच के माध्यम से की जाएगी। इनमें से एक संपत्ति दक्षिण अंडमान जिले के श्री विजयपुरम स्थित एबरडीन बाज़ार क्षेत्र में स्थित है। ई–नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाताओं को एम एस टी सी पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए एक बार का पंजीकरण शुल्क एक हजार एक सौ अस्सी रुपये निर्धारित किया गया है, जो एक वर्ष तक मान्य रहेगा। साथ ही, प्रत्येक संपत्ति के लिए निर्धारित अग्रिम जमानत राशि भी जमा करनी होगी। सर्वोच्च बोलीदाता को स्वीकृति पत्र जारी होने के 30 दिनों के भीतर बोली राशि का 25 प्रतिशत तथा इसके बाद अगले 90 दिनों में शेष पचहत्तर प्रतिशत राशि जमा करनी होगी। संपूर्ण भुगतान पूर्ण होने के पश्चात विक्रय प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए एम एस टी सी के ई–नीलामी पोर्टल एवं शत्रु संपत्ति संरक्षक की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं।

<><><><><><><><>